www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले...

3 प्रगतिशील नीतियों के कारण ऐतिहासिक औद्योगिक...

4 आईएएस सोनू भट्ट ने संभाला करनाल एडीसी...

वर्ष: 9 | अंक: 240 | दिल्ली, मंगलवार, 24 जून 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

## संक्षिप्त समाचार

### दिल्ली के पटपड़गंज में लूट के मामले में चार गिरफ्तार

**नई दिल्ली (एजेन्सी)।** दिल्ली पुलिस ने पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज इलाके में चाकू की नोंक पर पेस्ट्री की दुकान के 53 वर्षीय मालिक को लूटने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना 20 जून को हुई जब नोएडा निवासी और पटपड़गंज में पेस्ट्री की दुकान के मालिक शिकायतकर्ता विनोद कुमार शर्मा को बंसल स्वीट्स के पास मोटरसाइकिल सवार तीन बदमाशों ने रोक लिया। उन्होंने बताया कि लुटेरों ने चाकू की नोंक पर उन्हें धमकाया, उनके साथ मारपीट की और जबरन उनकी कार छीनकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान शाने आलम उर्फ माजिद (25), प्रिंस उर्फ सनी (18), हिमांशु (18) और तनुज (20) के रूप में हुई है। ये सभी पूर्वी दिल्ली के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि चोरी की कार उत्तराखंड के हरिद्वार में पाई गई है।

### कार की चपेट में आये लड़के की मौत, नाराज ग्रामीणों ने किया रास्ता जाम

**बलिया (एजेन्सी)।** बलिया जिले के बांसडीह क्षेत्र में सोमवार को कार की चपेट में आने से छह वर्षीय एक लड़के की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस घटना से नाराज ग्रामीणों ने दो घंटे तक बांसडीह-मनियर मार्ग को जाम कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार बांसडीह-मनियर मार्ग पर सोमवार को पूर्वाह्न हालपुर के पास एक तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से आयुष (छह) नामक लड़के की मौत हो गई। इस घटना के बाद कार चालक भाग गया। सूत्रों का कहना है कि लड़के के नाराज परिजनों और अन्य ग्रामीणों ने बांसडीह-मनियर मार्ग को जाम कर किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि आक्रोशित ग्रामीणों को समझा-बुझाकर दो घंटे बाद जाम समाप्त कराया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में मृत बच्चे के पिता अंजनी साहनी की तहरीर पर अज्ञात कार चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

### झारखंड के जमशेदपुर में हथियार बरामद

**झारखंड (एजेन्सी)।** जमशेदपुर के कदमा इलाके में सोमवार को हथियार बरामद किए जाने के बाद इस सिलसिले में 28 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। खुफिया सूचना मिलने पर कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पीयूष पांडे ने संदिग्ध को पकड़ने के लिए पुलिस अधीक्षक (एसपी) (नगर) कुमार शिवाशीष के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की थी। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी)(मुख्यालय-2) मनोज कुमार ठाकुर और कदमा थाने के अधिकारियों सहित टीम ने छापेमारी कर हरिकेश पटेल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस ने दो देशी पिस्तौल, विभिन्न कैलिबर के चार कारतूस और दो खाली मैगजीन बरामद की। एसपी शिवाशीष ने बताया कि हथियार खाली पड़े मकान के शौचालय में छिपाए गए थे। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पटेल लोगों को डराने और पैसे ऐंठने के लिए आग्नेयास्त्रों का इस्तेमाल करना चाहता था।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। (स्त्रोत: पीआईबी)

### रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रपति मुर्मू के भाषणों के संग्रह का विमोचन किया

**नई दिल्ली (एजेन्सी)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा अपने कार्यकाल के दूसरे वर्ष के दौरान दिए गए 51 भाषणों के संग्रह का सोमवार को विमोचन किया। सिंह ने इस मौके पर कहा कि यह विकसित भारत के दृष्टिकोण का कर्म ग्रंथ बनेगा। राष्ट्रपति भवन परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में सिंह ने अंग्रेजी में विंग्स टू आवर होप्स-वॉल्यूम-2 और हिंदी में आशाओं की उड़ान-खंड-2 नाम से प्रकाशित पुस्तक और इसके ई-संस्करण का विमोचन किया। राष्ट्रपति के भाषणों को राष्ट्रपति भवन ने संकलित और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग ने प्रकाशित किया है। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन भी मौजूद थे। रक्षामंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, यह पुस्तक 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने का साधन बनेगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा रविवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया था कि विंग्स टू आवर होप्स-वॉल्यूम-2 राष्ट्रपति के 51 भाषणों का संग्रह है, जो महामहिम के कार्यकाल के दूसरे वर्ष (अगस्त 2023-जुलाई 2024) के दौरान उनके दृष्टिकोण, दर्शन और प्राथमिकताओं की झलक प्रदान करता है।

## नन्हें कलाकारों की प्रतिभा से सजा 'नटखट उत्सव-2025'

# दिल्ली सरकार ने उभरती प्रतिभाओं को दिया मंच; मंत्री कपिल मिश्रा ने की सराहना

**संजना भारती संवाददाता**

**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने साहित्य कला परिषद की ओर से ऑल इंडिया फाइन आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स सोसायटी, 1 रफी मार्ग में आयोजित वार्षिक नटखट उत्सव-2025 की सराहना की। उन्होंने कहा, नटखट उत्सव के साथ दिल्ली बच्चों की रंग-बिरंगी कल्पनाओं, जोश और रचनात्मकता से सराबोर है। 26 जून तक चलने वाले इस 'नटखट उत्सव' का आयोजन शिक्षा निदेशालय और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के सहयोग से किया जा रहा है।

यह उत्सव दिल्ली सरकार के 44 स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियों के दौरान आयोजित कला कार्यशालाओं की शानदार परिणति है, जिनमें 2000 से अधिक विद्यार्थियों ने संगीत, नृत्य, रंगमंच और ललित कला का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। प्रत्येक विधा के लिए अलग-अलग 11-11 केंद्र बनाए गए–संगीत, नृत्य, थिएटर और ललित कला–जिससे विद्यार्थियों को मार्गदर्शन मिला। 550 से अधिक छात्रों की कलाकृतियाँ जमा की गईं, जिनमें से सर्वश्रेष्ठ का चयन कर एक विशेष कला प्रदर्शनी में प्रस्तुत किया गया है। साथ ही नृत्य, संगीत और रंगमंच में चयनित श्रेष्ठ प्रस्तुतियाँ का इस उत्सव में मंचन हो रहा है।

दिल्ली के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने यह भी बताया कि सरकारी स्कूलों में सांस्कृतिक गतिविधियाँ बच्चों में आत्मविश्वास जगाती हैं और उनकी प्रतिभा को सही दिशा देती हैं। नटखट उत्सव अब राजधानी के रचनात्मक स्वरों का उत्सव बन चुका है। साहित्य कला परिषद के कार्यक्रम अधिकारी श्री विनीत पालीवाल ने कहा, हर वर्ष नटखट उत्सव विद्यार्थियों, उनके गुरुओं और दर्शकों के लिए एक खोज और आनंद की यात्रा होती है। यह केवल कार्यशालाओं का समापन नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति और सामूहिक रचनात्मकता का उत्सव है।

उत्सव में शास्त्रीय व समकालीन नृत्य शैलियों की प्रस्तुति, सुरमयी संगीत, और सामाजिक संदेशों से ओतप्रोत नाट्य प्रदर्शनों के माध्यम से बच्चों ने भारत की सांस्कृतिक विविधता और कलात्मक विरासत का अद्भुत चित्रण किया। कला प्रदर्शनी 24 से 26 जून तक सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक आम जनता के लिए खुली रहेगी जिसमें छात्रों द्वारा बनाई गई चित्रकलाएँ, शिल्प और अन्य रचनाएँ प्रदर्शित की गई हैं। इसके अतिरिक्त कार्यशालाओं की झलक दिखाती एक विशेष फोटोग्राफिक प्रदर्शनी भी लगाई गई है जो छात्रों और शिक्षकों के बीच के रचनात्मक संवाद को उजागर करती है। इस अवसर पर 2025 संस्करण की स्मारिका भी जारी की गई।

नटखट उत्सव अपने 40वें वर्ष में प्रवेश करते हुए दिल्ली सरकार के स्कूलों के उभरते कलाकारों के लिए एक सशक्त सांस्कृतिक मंच बन चुका है। यह इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन मिलने पर रचनात्मकता हर बाधा को पार कर जाती है।

# प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष रहे अतुलनीय: गौरव गौतम

**संजना भारती संवाददाता**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश ने अतुलनीय युग में प्रवेश किया है। यह 11 वर्ष केवल शासनकाल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का वह दौर है जिसमें भारत ने अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करते हुए आधुनिक विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है।

खेल राज्य मंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर मानेसर में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान पटौदी की विधायक श्रीमती बिमला चौधरी मौजूद रहीं। मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि गरीब, किसान, महिला और युवा ये चार स्तंभ मोदी सरकार के सुशासन के केंद्र बिंदु हैं। अंत्योदय उत्थान के लक्ष्य के साथ पिछले 11 वर्षों में 29 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया है। जल जीवन मिशन से 15 करोड़ ग्रामीण घरों में नल से जल पहुंचा है। प्रधानमंत्री आवास योजना से 4 करोड़ परिवारों को पक्के घर दिए गए हैं। हमारी मातृशक्ति के सम्मान को बरकरार रखने के लिए स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश खुले में शौच से मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी के निर्णयों में दृढ़ता और देशहित सर्वोपरि रहा है। चाहे जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की बात हो, पुलवामा हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक हो, या फिर हाल ही में चिनाब ब्रिज के जरिए कश्मीर घाटी को देश से जोड़ना, उनका हर निर्णय एक नए भारत की नींव रखता है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पूर्व देश में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और निराशा का माहौल था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पारदर्शिता, तकनीकी नवाचार और विकास की नीति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई, जिसका परिणाम आज विश्व मंच पर भारत की सशक्त उपस्थिति के रूप में सामने है। उन्होंने कहा कि चंद्रयान, मंगलयान और डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों ने भारत को विश्व की अग्रणी टेक्नोलॉजी शक्ति बना दिया है। वर्ष 2014 में 10वीं स्थान पर रही भारतीय अर्थव्यवस्था आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने नारी शक्ति को राष्ट्र शक्ति बनाने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा से शुरू हुआ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान व निर्धारित लक्ष्यों के तहत उसके परिणाम इन्हीं सार्थक प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में विश्वविद्यालयों की संख्या 490 थी जोकि अब बढ़कर 1213 हो गयी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में जहां देश में मात्र 74 एयरपोर्ट थे, आज उनकी संख्या बढ़कर 160 हो गई है। पीएम गतिशक्ति, भारतमाला और सागरमाला परियोजनाओं ने देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को नई दिशा दी है।

खेल राज्य मंत्री ने विकास की इस महत्वपूर्ण यात्रा में हरियाणा के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य ने किसानों के कल्याण, औद्योगिक निवेश, खिलाड़ियों की उपलब्धियों और युवाओं को रोजगार से जोड़ने में अग्रणी भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री ने हर बार हरियाणा को बड़ी-बड़ी परियोजनाओं की सौगात दी है।

# जन समस्याओं को दूर करने के लिए विभाग समन्वय बनाकर करें कार्य: रविन्द्र इन्द्राज

**संजना भारती संवाददाता**

**नई दिल्ली।** समाज कल्याण, एससी/एसटी/ओबीसी कल्याण, चुनाव एवं सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने सोमवार को बवाना विधानसभा के दीप विहार क्षेत्र का दौरा कर जन समस्याओं का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल आवश्यकता वाले कार्यों को शुरू करने और अन्य कार्य योजना बनाकर समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला अधिकारी, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, डीएसआईआईडीसी, नगर निगम दिल्ली, दिल्ली जल बोर्ड (मेंटेनेंस व प्रोजेक्ट), जोनल रेवेन्यू ऑफिसर तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण के अधिकारी उपस्थित रहे। श्री रविन्द्र इन्द्राज ने क्षेत्र में जलभराव की शीघ्र निकासी, पानी की पर्याप्त आपूर्ति, क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों की मरम्मत तथा सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत जैसे आवश्यक कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें ताकि जनता को शीघ्र राहत मिल सके।

**'समाज कल्याण मंत्री ने दीप विहार में जन समस्याएं सुनीं और विकास कार्यों को लेकर दिए निर्देश'**

समाज कल्याण मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सभी कार्य उच्च गुणवत्तापूर्ण हों और समयबद्ध ढंग से पूरे किए जाएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और इसकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

# सीएम ने कुलपतियों से युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों पर जोर देने का किया आह्वान

**संजना भारती संवाददाता**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों के नवनियुक्त कुलपतियों से युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से कौशल विकास कार्यक्रमों पर विशेष जोर देने का आह्वान किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विश्वविद्यालयों को शिक्षा और रोजगार के बीच के अंतर को कम करने के लिए उद्योगों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। प्रत्येक विश्वविद्यालय को अपने कम से कम 10 प्रतिशत कार्यक्रम औद्योगिक भागीदारों के सहयोग से चलाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस पहल से राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। साथ ही विभिन्न उद्योगों की उभरती जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी यहां अपने निवास स्थान संत कबीर कुटीर में प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के नवनियुक्त कुलपतियों के साथ बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। विश्वविद्यालयों को राज्य सरकार के पूर्ण मार्गदर्शन, संसाधन और समर्थन का आश्वासन देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा को एक ऐसे राज्य में बदलना होगा जो न केवल डिग्री प्रदान करे बल्कि अपने युवाओं को सार्थक दिशा और उद्देश्य भी प्रदान करे।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा के प्रत्येक जिले में एक मॉडल स्किल कॉलेज और एक मॉडल स्किल स्कूल स्थापित करने के राज्य सरकार के विजन को रेखांकित किया। ये संस्थान छात्रों को विशेष कौशल शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे, उन्हें प्रतिस्पर्धी जॉब-मार्किट में सफल होने के लिए व्यावहारिक विशेषज्ञता से लैस करेंगे। उन्होंने एक कुशल कार्यबल को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया जो आधुनिक उद्योगों की मांगों के अनुरूप है और हरियाणा के समग्र आर्थिक विकास में योगदान देता है।

नायब सिंह सैनी ने राज्य के कुलपतियों से हरियाणा को वैश्विक स्तर पर ऊंचा उठाने के लिए संस्थागत रैंकिंग बढ़ाने का आह्वान करते हुए शोध आउटपुट, रोजगार के अवसरों, संस्थागत रैंकिंग और शिक्षा की समग्र गुणवत्ता में सुधार की दिशा में प्रयास तेज करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए पूरी ईमानदारी से काम करने और निष्पक्ष, गैर-भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कुलपतियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा की उपस्थिति बढ़ाने के लिए अपने-अपने संस्थानों की रैंकिंग और रेटिंग बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। नैतिक नेतृत्व के महत्व पर जोर देते हुए इस बात पर बल दिया गया कि ईमानदारी, निष्पक्षता और गैर-भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण के साथ काम करना जरूरी है। यह न केवल अकादमिक उत्कृष्टता के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि अधिक समावेशी और टिकाऊ संस्थागत संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने इसे एक ऐतिहासिक दस्तावेज बताया और शिक्षण संस्थानों में इसके त्वरित और प्रभावी कार्यान्वयन की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। सैनी ने कुलपतियों से नवाचार और समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए एनईपी के प्रमुख आयामों के साथ अपनी रणनीतियों को संरेखित करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालयों से "विकसित भारत-विकसित हरियाणा" के विजन को साकार करने की दिशा में अपना ज्यादा से ज्यादा योगदान देने का आग्रह किया, ताकि राज्य और राष्ट्र की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा राज्य अनुसंधान कोष (एचएसआरएफ) की स्थापना की गई है। इसमें 20 करोड़ रुपये की शुरूआती आवंटन के साथ, एचएसआरएफ अपनी तरह का पहला कोष है जो नवीन अनुसंधान प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय इस निधि का अधिकतम प्रयोग गांवों की सामाजिक समस्याओं और चुनौतियों से निपटने संबंधी शोध कार्यों पर करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस निधि का रणनीतिक रूप से उपयोग ग्रामीण समुदायों के विकास और कल्याण में योगदान देने वाले प्रभावशाली अध्ययनों को बढ़ावा देने के लिए किया जाना चाहिए। छात्रों को न केवल अकादमिक रूप से, बल्कि नैतिक और सामाजिक रूप से भी भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी विश्वविद्यालयों और उनके संबद्ध कॉलेजों को नैक मान्यता प्राप्त करने का आग्रह करते हुए उच्च शिक्षा में गुणवत्ता-आश्वासन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने संस्थागत प्राथमिकताओं के रूप में संकाय विकास, व्यापक छात्र मार्गदर्शन और सामाजिक परियोजनाओं में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने पर बल दिया। सैनी ने छात्रों को न केवल अकादमिक रूप से, बल्कि नैतिक और सामाजिक रूप से भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करने की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

### अरब देश होंगे अमेरिका और इजराइल का अगला निशाना: फारूक अब्दुल्ला

**जम्मू-कश्मीर (एजेन्सी)।** नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को अरब देशों को चेतावनी दी कि इजराइल और अमेरिका का अगला निशाना वही होंगे क्योंकि उनके तेल और गैस पर दोनों देशों की नजर है। उन्होंने कहा, यह उनकी (अमेरिका की) लंबे समय से नीति रही है कि ईरान को परमाणु शक्ति नहीं बनना चाहिए। यहां तक कि क्षेत्र के सुन्नी देश भी इसके खिलाफ हैं, लेकिन उनमें बोलने का साहस नहीं है। अब्दुल्ला ने यहां नवा-ए-सुबह में पार्टी की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, आज वे सोचते हैं कि ईरान पर हमला हुआ है, लेकिन मैं आपके माध्यम से उन्हें चेतावनी देना चाहता हूं कि एक दिन इजराइल उन पर भी हमला करेगा, क्योंकि वे तेल और गैस जैसी उनकी संपत्ति चाहते हैं। इजराइल केवल एक मुखौटा है, अमेरिका उसके ठीक पीछे खड़ा है। पश्चिम एशिया में युद्ध के विकराल रूप लेने के असर के बारे में पूछे जाने पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे सभी देशों की आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि (अन्य) विश्व शक्तियां स्थिति पर नजर रख रही हैं। अगर यह (युद्ध) बढ़ता है, तो हर देश की आर्थिक स्थिति बबार्दी की ओर बढ़ जाएगी। उन्हें इसे रोकने की कोशिश करनी चाहिए और मैं प्रार्थना करता हूं कि वे सफल हों, क्योंकि भारत में भी हमारी स्थिति बहुत खराब है। जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की शर्तों को लेकर मीडिया के एक धड़े में आई खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि मीडिया झूठ फैला रहा है। नेकां नेता ने कहा, उन्हें (शर्तों के बारे में) किसने बताया? क्या उनके समक्ष किसी ने रहस्योद्घाटन किया? यहां मीडिया झूठ फैलाने में माहिर है, वह सच नहीं बोलता। राज्य का दर्जा जम्मू-कश्मीर के लोगों का अधिकार है।

# प्रधानमंत्री का बहुआयामी व्यक्तित्व, वैश्विक मंच पर भारत के लिए अहम पूंजी: शशि थरूर

**(एजेन्सी)।**

**नई दिल्ली।** कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऊर्जा, उनका बहुआयामी व्यक्तित्व और संवाद की तत्परता वैश्विक मंच पर भारत के लिए एक अहम पूंजी बनी हुई है, लेकिन इसे अधिक सहयोग एवं समर्थन की जरूरत है। उनकी यह टिप्पणी एक बार फिर कांग्रेस को असहज स्थिति में डाल सकती है तथा पार्टी नेतृत्व के साथ उनके संबंधों में दरार और गहरी हो सकती है।

प्रधानमंत्री के लिए थरूर की प्रशंसा ऐसे समय आई है जब कांग्रेस विदेश नीति को लेकर मोदी सरकार पर निरंतर हमले कर रही है और आरोप लगा रही है कि भारतीय कूटनीति चरमरा गई है और देश विश्व स्तर पर अलग-थलग पड़ गया है। थरूर ने अंग्रेजी दैनिक द हिंदू के लिए लिखे एक लेख में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद किया गया राजनयिक संपर्क राष्ट्रीय संकल्प और प्रभावी संवाद का क्षण था। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर थरूर के इस लेख को साझा किया और कहा, लोकसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. शशि थरूर लिखते हैं: ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित वैश्विक पहुंच से सबक। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने थरूर द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करने को लेकर कांग्रेस पर कटाक्ष किया और कहा कि तिरुवनंतपुरम से सांसद ने राहुल गांधी को बेनकाब कर दिया है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, शशि थरूर ने स्वीकार किया है कि प्रधानमंत्री मोदी का बहुआयामी व्यक्तित्व और वैश्विक पहुंच भारत के लिए रणनीतिक रूप से लाभकारी है। भंडारी ने कहा, शशि थरूर ने राहुल गांधी को बेनकाब कर दिया है। लेख में थरूर ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऊर्जा, उनका बहुआयामी व्यक्तित्व और संवाद की तत्परता वैश्विक मंच पर भारत के लिए एक अहम पूंजी बनी हुई है, लेकिन इसे अधिक समर्थन की आवश्यकता है।

पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर सैन्य अभियान के बाद भारत के रुख से अवगत कराने के लिए अमेरिका और चार अन्य देशों में गए बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख थरूर ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के बाद राजनयिक संपर्क राष्ट्रीय संकल्प और प्रभावी संवाद का क्षण था।

# सम्पादकीय

## 'फास्टैग' का नया नियम...

**टोल** टैक्स पर आए दिन घटित होती नाना प्रकार की सामान्य-असामान्य घटनाओं को ध्यान में रखते हुए आखिरकार केंद्र सरकार ने एक दफे फिर पुरानी टोल्स नीतियों में बदलाव करते हुए नए फास्टैग नियम लागू करने का ऐलान किया है। बदले नियमों को केंद्र सरकार ने सुपरफास्ट फास्टैग बताया है। हालांकि, ये नवीनतम योजना दो महीने बाद यानी आगामी 15 अगस्त से देशभर में अमल आएगी। इसके संबंध में मोटी-मोटी सूचनाएं विभागीय मंत्री नितिन गडकरी ने बीते गुरुवार को सोशल मीडिया मंच एक्स के जरिए देशवासियों से साक्षा की। नई नियमों को लेकर लोगों के जेहन में सिर्फ दो सवाल प्रमुखता से उठ रहे हैं। अव्वल, क्या अब टोल टैक्स पर लगने वाली लंबी-लंबी कतारें कम होंगी। वहीं दूसरा, क्या इससे वाहन चालकों को थोड़ी बहुत रियारत मिल पाएगी? गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी मंत्री नितिन गडकरी ने एक ऐलान किया था कि 60 किमी अंतराल में आने वाले टोल से वसूली नहीं की जाएगी। लेकिन अफसोस वह योजना सिरे नहीं चढ़ पाई। कम दूरी वाले किसी टोल को बंद नहीं किया गया, आज भी टोल्स पर वसूली बदस्तूर जारी है। ज्यादातर पुराने टोल की दूरी 60 किमी से काफी कम हैं। 30-40 किमी की दूरी में ही बने हैं। विगत सालों पहले सरकार ने टोल से नगद वसूली के नियमों को बदलकर जब से फास्टैग योजना को लागू किया था, तब से उसकी आमदनी में चार चांद लग गए। दरअसल, फास्टैग एक इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह प्रणाली है, जिसे एनएचएआई लीड करती है। फास्टैग से टोल वसूली का पैसा सीधे सरकार के खजाने में जाता है। फास्टैग रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन तकनीक से उपयोग होती है, जिससे ग्राहक टोल भुगतान सीधे प्रीपेड या बचत खाते से आसानी से करते हैं। वित्तीय वर्ष-2024 में भारत भर में राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल संग्रह राजस्व का मूल्य 648 बिलियन भारतीय रुपए से अधिक रहा। यही कारण है कि सरकार इस सब्जेक्ट को इतनी गंभीरता से लेकर चल रही है। सरकार का मकसद है कि नए नियमों का फायदा ग्राहकों को भी हो और उनकी आमदनी में भी इजाफा हो? केंद्र सरकार राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम-1956 और शुल्क नियम-2008 के तहत टोल प्लाजा के माध्यम से शुल्क वसूलती है। नियमों में बदलाव पहले भी कई मर्तबा किए गए हैं, पर, बीते एकाध दशक से टोल वसूली में बेहताशा इजाफा हुआ। जिसे कम करने का आमजन का भारी दबाव सरकार पर है। आम लोगों को मिलने वाली किफायत की जहां तक बात है, तो नई पॉलिसी फिलहाल निजी वाहनों पर लागू होगी। तीन हजार रुपए का वैध वार्षिक पास बनवाने के बाद ग्राहक साल भर की अवधि में 200 टोल टैक्स क्रॉस कर सकेंगे। ये पास मौजूदा फास्टैग में ही संचालित होगा, नया बनवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हालांकि, इसमें पेंच एक फंसाया गया है। योजना सिर्फ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और विभिन्न राष्ट्र राजमार्गों में प्रयोग होगी। राज्य स्तरीय मार्गों-सड़कों, निकाय और नगर निगम की अधिकृत सड़कों को इससे नहीं जोड़ा गया है। योजना से ग्राहकों को जो फायदा होगा, वह ये है कि अभी तक अमूमन प्रत्येक एनएचएआई टोल टैक्स पर भुगतान करने की कीमत 50 रु से लेकर 200 रुपए के बीच होती है। लेकिन 3 हजारी वैध पास के बाद मात्र 15 रूपए ही प्रत्येक टोल पर वसूले जाएंगे। ये फायदा निजी वाहन चालकों को सीधे तौर होगा। योजना की एक अच्छी बात ये है। चालक अगर साल में 200 टोल्स को क्रॉस नहीं करता है, तो उसकी वैधता अगले वर्ष भी जारी रहेगी। राष्ट्रीय राजमार्गों पर योजना और नियमित चलने वालों के लिए सुपरफास्ट फास्टैग योजना निश्चित रूप से कारगर साबित होने वाली है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय पर बीते कुछ वर्षों से टोल प्लाजा पर ट्रैफिक को कम करने का भारी प्रेसर पड़ा है। प्रत्येक दिन कहीं न कहीं मारपीट की घटनाएं रिपोर्ट होती रहती हैं। इन सभी से छुटकारा पाने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस योजना को लागू किया। भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों का विशाल नेटवर्क बिछ चुका है। वर्ष-2014 तक राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 91,287 किलोमीटर थी, जो अब बढ़कर 1,46,195 किलोमीटर हो चुकी है। अगले 10 सालों में राजमार्गों की लंबाई डेढ़ गुनी तक बढ़ने की संभावनाएं हैं और उसमें नए टोल भी जुड़ेंगे। इसलिए, सरकार के लिए ये क्षेत्र कमाई का बड़ा जरिया बन गया है। सरकार को नेशनल हाइवे से प्रति वर्ष पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत चलने वाले टोल बूथों पर टैक्स के तौर पर 1.44 लाख करोड़ रुपये की कमाई हो रही है। इस आंकड़े को पिछले वर्ष का खुद नितिन गडकरी ने संसद में प्रस्तुत किया था। देश में सड़कों का जिस युद्धस्तर पर जाल बिछ रहा है, उससे प्रतीत होता है भविष्य में यह क्षेत्र सरकार की कमाई का सबसे बड़ा जरिया बनेगा। आंकड़ों के मुताबिक हिंदुस्तान में करीब 1,063 टोल प्लाजा हैं जिनमें 457 टोल प्लाजा का निर्माण वर्ष 2025 में किया गया। टोल नीति केंद्र सरकार की वह इकाई है जो सबसे बड़ी कमाउ है।

### जयंती

**ओंकारनाथ ठाकुर**

जन्म: 24 जून, 1897-मृत्यु: 29 दिसंबर, 1967) भारत के प्रसिद्ध संगीतज्ञ एवं हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायक थे। इनका सम्बन्ध ग्वालियर घराने से था।

### पुण्यतिथि

**दरबान सिंह नेगी**

जन्म-4 मार्च, 1883; मृत्यु-24 जून, 1950) प्रथम विश्व युद्ध के दौरान उन चंद भारतीय सैनिकों में से एक थे, जिन्हें ब्रिटिश राज का सबसे बड़ा युद्ध पुरस्कार 'विक्टोरिया क्रॉस' मिला था। दरबान सिंह नेगी करीब 33 साल के थे और 39th गढ़वाल राइफल्स की पहली बटालियन में नायक के पद पर तैनात थे। 23-24 नवंबर, 1914 को उनकी रेजिमेंट ने दुश्मन से फेस्टुबर्ट के करीब ब्रिटिश खदंकों पर फिर से कब्जा करने की कोशिश की। इस युद्ध के दौरान उनकी भूमिका के लिए उनको 'विक्टोरिया क्रॉस' से सम्मानित किया गया।

### कल मिलेंगे

टीचर-बच्चों क्या तुम चीनी भाषा पढ़ सकते हो?
छात्र-हां
टीचर-कैसे?
छात्र-अगर वो हिंदी या अंग्रेजी में लिखी हो तो.

**संजना भारती दैनिक**

**भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।**

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

**RNI No. : DELHIN/2016/70240**

**Phone No.: 9871221635**

**E-mail ID:** sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

# ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के वैश्विक मायने

-कमलेश पांडेय

> ईरानी बयान में अमेरिका के इस हमले को 'जंगल का कानून' बताया गया है। इसके अलावा ईरान ने क्शअएअ की चुप्पी की निंदा करते हुए देश के 'परमाणु शहीदों' के नाम पर शपथ ली है और फिर से अपने परमाणु कार्यक्रम को जारी रखने की कसम खाई है। परमाणु सुविधाओं पर हमले के बाद ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन की तरफ से जारी बयान में अमेरिका की निंदा की गई है

**आखिरकार** दुनिया का थानेदार समझे जाने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने मित्र यहूदी देश इजरायल की शांति के लिए चुनौती बन चुके कट्टरपंथी इस्लामिक राष्ट्र ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर हवाई हमले करके जहां विगत 10 दिनों से चल रहे इजरायल-ईरान युद्ध को एक नया मोड़ दे दिया, वहीं अपनी इस अप्रत्याशित कार्रवाई से उनकी थानेदारी को महज बयानी चुनौती देने वाले चीन-रूस-उत्तर कोरिया आदि देशों को भी एक स्पष्ट संदेश दे दिया कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अपनी हद में रहो, अन्यथा अंजाम और भी बुरे हो सकते हैं। इस प्रकार ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के वैश्विक मायने स्पष्ट हैं, जो एक ध्रुवीय विश्व को बहुध्रुवीय बनाने के प्रयासों की विफलता को उजागर करते हैं। वहीं, ये कुछ अन्य महत्वपूर्ण वैश्विक पहलुओं पर भी प्रकाश डालते हैं जो अग्रलिखित हैं।

पहला, ईरान पर हुए अमेरिकी हमले से एक बार फिर यह स्पष्ट हो चुका है कि मौजूदा एक ध्रुवीय विश्व में अमेरिका के सजग और शातिर नेतृत्व को ऑन द स्पॉट चुनौती देने का दमखम अभी रूस-चीन-उत्तर कोरिया गुट के पास के पास नहीं है, खासकर अपने ऊपर आश्रित राष्ट्रों के लिए भी। ऐसा इसलिए कि जहां अमेरिका अपने मित्र नाटो देशों-इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान व ऑस्ट्रेलिया आदि को विश्वास में लेकर अपने इजरायल व यूक्रेन जैसे सहयोगियों के पक्ष निर्णायक फैसला करता रहता है, वहीं रूस-चीन-उत्तर कोरिया जैसे सीटो देश ऐन मौके पर सीरिया व ईरान जैसे अपने सहयोगियों पर आए आफत को दूर करने के लिए त्वरित एकजुटता प्रदर्शित करने और अपेक्षित सैन्य पलटवार शुरू करने के मुद्दे पर घबरा जाते हैं।

दूसरा, चीन-रूस-उत्तर कोरिया की कथनी व करनी में बहुत अंतर पाया जाता है। वहीं ये आपसी दांवपेंच में भी सटीक निर्णय नहीं ले पाते हैं। यही वजह है कि कभी अफगानिस्तान, कभी सीरिया और कभी ईरान जैसे मुल्क इनके हाथों से निकल जाते हैं और वहां पर पुनः अमेरिका का दबदबा बढ़ जाता है। अपने देखा होगा कि जब इजरायल-ईरान युद्ध में मिसाइल हमलों में ईरान ने इजरायल पर बढ़त ले ली और इजरायल के एयर डिफेंस सिस्टम में भी सुराग लगा दिया तो अचानक अमेरिका उसके पक्ष में उतरा और ईरान के फोर्दो, नतांज और इस्फहान स्थित न्यूकलियर साइटों को निशाना बना लिया।

तीसरा, इस अमेरिकी हमले का एक खास मकसद था, जिसे उसके अलावा कोई अन्य नाटो देश इसे कदापि पूरा नहीं कर सकता था। उल्लेखनीय है कि फोर्दो न्यूकलियर साइट इसमें बेहद महत्वपूर्ण है जो तेहरान के दक्षिण में एक पहाड़ के नीचे स्थित है और बेहद गहराई पर बना है। इसे इंग्लिश चैनल टनल से भी गहरा माना जाता है। यही वजह है कि अमेरिका ने अपने हमले में जीबीयू (GBU)-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनिट्रेटर नामक भारी बम का इस्तेमाल किया, जो 13,000 किलोग्राम वजनी होता है और 61 मीटर मिट्टी या 18 मीटर कंक्रीट को भेद सकता है, लेकिन इससे इस केंद्र को कितना नुकसान पहुंचा, कुछ समय बाद पता चलेगा। जब सही आंकड़े व फोटो ईरान सरकार द्वारा जारी किए जाएंगे।

चतुर्थ, अमेरिकी हमले के प्रभाव की पूरी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। लेकिन इतना तो कहा ही जा सकता है कि निश्चित तौर पर ईरान को पिछले कई सालों से अपने न्यूकलियर रिसर्च सेंटरों पर हमले की आशंका थी, जो इस बार पूरी हो गई। इसलिए ईरान ने अपनी गुप्त रणनीति के अनुरूप कोई वैकल्पिक व्यवस्था जरूर की होगी, जैसा कि एक अन्य इस्लामिक देश पाकिस्तान ने अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम के अधीन पाकिस्तानी हुक्मरानों के इशारे पर कर रखा है। यही वजह है कि खुद ईरानी अधिकारियों ने दावा किया है कि न्यूकलियर साइटों को पहले ही खाली कर दिया गया था और जरूरी परमाणु रिसर्च उपकरण को हटा दिया गया था। यदि ऐसा है तो यह अमेरिका-इजरायल के लिए किसी दुःस्वप्न जैसा है। पंचम, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि परमाणु साइटें पूरी तरह से नष्ट कर दी गई हैं, लेकिन कई पूर्व अमेरिकी राजनयिकों का मानना है कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगा कि, इरानी न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर पूरी तरह से नष्ट या खत्म हो गए हैं। हो सकता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायल को संतुष्ट करने के लिए, या महज दिखावे के लिए न्यूक्लियर रिसर्च सेंटरों पर हमला किया हो, क्योंकि ट्रंप व्यापारी है, व्यापार उनकी प्राथमिकता है, और अमेरिका को पूर्ण युद्ध में वो शायद नहीं शामिल करना चाहते है। यही वजह है कि ईरान प्रशासन को उन्होंने पहले ही आगाह कर दिया था कि वह उनके परमाणु ठिकाने पर हमला करेंगे। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति पर इजरायल पब्लिक अफेयर्स कमेटी और यहूदी काउंसिल फॉर पब्लिक अफेर्यस का दबाव है, जो रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों को फंड करती है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था वहां के 2 प्रतिशत यहूदियों के इशारे पर ही कुलांचें मारती फिरती है।

छठा, वैसे तो ईरान को न्यूक्लियर रिसर्च सेंटरों पर हमले की संभावना लंबे समय से व्यक्त की जा रही थी, इसलिए जरूरी न्यूक्लियर रिसर्च उपकरणों को बचाने का वैकल्पिक इंतजाम ईरान ने पहले ही कर रखा होगा। बता दें कि ईरान की तरह पाकिस्तान भी अपने न्यूक्लियर सेंटर्स पर हमले की आशंका व्यक्त करता रहा है। पाकिस्तान का स्ट्रैटजिक प्लान डिविजन जो नेशनल कमांड अथॉरिटी का सचिवालय है, अपने जरूरी न्यूक्लियर रिसर्च उपकरणों के लिए लगभग 15 गोपनीय स्थान बना रखे हैं, जहां समय-समय पर इसे रखा जाता है।

सातवां, यूँ तो पाकिस्तान ने भी लगातार यही आशंका प्रकट की है कि अमेरिका, भारत या इजराइल उसकी परमाणु क्षमताओं को नष्ट करने की कोशिश कर सकते हैं। बता दें कि 1980 और 1990 के दशक में पाकिस्तान ने कई बार अपने परमाणु रिसर्च केंद्रों पर हमले की संभावना जतायी। जबकि मौजूदा दौर में ईरान भी वैसी ही मनोदशा से गुजर रहा है। गौरतलब है कि 1982 में इजराइल द्वारा इराक के ओसिराक रिएक्टर पर हमले के बाद, पाकिस्तान को आशंका हुई कि भारत भी पाकिस्तान के परमाणु केंद्रों पर हमला कर सकता है। पाकिस्तान के तत्कालीन शासक जनरल जिया उल हक ने खुले तौर पर स्वीकार किया था कि भारत पाकिस्तान पर ओसिराक रिएक्टर पर हुए इजरायली अटैक की तरह हमला कर सकता है। उस समय भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थी। आठवां, वर्ष 1984 में पाकिस्तानी अधिकारियों ने कनैडियन और यूरोपियन इंटेजिलेंस एजेंसियों की रिपोर्ट के हवाले से यह आशंका व्यक्त की थी कि इजराइल पाकिस्तान के काहुटा न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर पर हमले की योजना बना रहा है। इसके लिए इजरायल, भारत और तत्कालीन सोवियत संघ (अब रूस) की मदद ले सकता है। वहीं, 1985 में फिर से पाकिस्तान ने काहुटा पर भारत द्वारा संभावित हमले की आशंका जताई। उस समय भी जिया पाकिस्तान के शासक थे, जबकि मिस्टर क्लीन के नाम से मशहूर राजीव गाँधी भारत के प्रधानमंत्री थे। वहीं, साल 1998 में भारत ने जब परमाणु परीक्षण किया तो पाकिस्तान ने फिर कहा कि उसके परमाणु केंद्रों पर हमला हो सकता है। उस समय नवाज शरीफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे और अटल बिहारी वाजपेयी भारत के प्रधानमंत्री थे।

नवम, ईरान पर हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्र को संबोधित किया और ईरान और इजरायल के युद्ध पर खुलकर बात की। इस दौरान ट्रंप ने ईरान को दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि अगर ईरान में शांति नहीं हुई तो फिर विनाश तय है। इससे साफ है कि गत 13 जून 2025 को शुरू हुए इजरायल और ईरान के तनाव में अब अमेरिका की एंट्री हो गई है, क्योंकि अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर बम बसराए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने व्यथा पूर्वक बताया कि, ईरान पिछले 40 साल से अमेरिका के खिलाफ है और कई अमेरिकी इस नफरत की भेंट चढ़ चुके हैं। अब यह और नहीं होगा। ईरान की वजह से हजारों अमेरिकियों और इजरायली नागरिकों की जान गई है। मगर बस, अब यह और नहीं होगा। ईरान पर अमेरिका के हमले का उद्देश्य परमाणु खतरे को हमेशा के लिए खत्म करना था। इसीलिए अमेरिका ने ईरान की परमाणु साइट्स को निशाना बनाया है।

दशम, ट्रंप ने साफ शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर ईरान में शांति स्थापित नहीं हुई तो फिर विनाश होगा। ईरान आगे और भी हमलों के लिए तैयार रहे। भविष्य के हमले इससे कहीं ज्यादा भयानक होंगे। ट्रंप ने आगे कहा कि बीती रात अमेरिका ने ईरान के जिन परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया था, वो बेहद कठिन थे। मगर अमेरिकी सेना ने यह कर दिखाया। अब तेहरान का सबसे महत्वपूर्ण परमाणु प्रोग्राम साइट फोर्डो तबाह हो चुकी है। ग्यारह, ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन ने भी फोर्डो, नतांज और इस्फहान परमाणु ठिकानों पर हमलों की पुष्टि की है। AEOI का कहना है कि अमेरिका की यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। इसमें अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी ने भी अमेरिका का साथ दिया है। वैश्विक समुदाय को इस हमले की कड़ी निंदा करनी चाहिए। ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को जारी रखेगा, यह किसी भी कीमत पर नहीं रुकेगा।

बारह, तेहरान में शरियातमदारी के हवाले से कहा गया है, 'अब बिना देरी किए कार्रवाई करने की हमारी बारी है। पहले कदम के तौर पर, हमें बहरीन में अमेरिकी नौसेना के बेड़े पर मिसाइल हमला करना चाहिए और साथ ही अमेरिकी, ब्रिटिश, जर्मन और फ्रांसीसी जहाजों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करना चाहिए।' बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक जलडमरूमध्य है। यह फारस की खाड़ी से खुले समुद्र तक एकमात्र समुद्री मार्ग प्रदान करता है और दुनिया के सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चोक पॉइंट्स में से एक है। यदि ऐसा हुआ तो यह पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट पैदा कर देगा।

तेरह, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी अमेरिका के इस कदम को साहसिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि, मैं और ट्रंप यही मानते हैं कि शक्ति से ही शांति स्थापित होती है। पहले शक्ति दिखाई जाती है और फिर शांति होती है। अमेरिका ने ईरान पर पूरी ताकत के साथ कार्रवाई की है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने ईरान के तीन सबसे महत्वपूर्ण परमाणु स्थल फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर कुल 6 जीबीयू (GBU)-57 बंकर बस्टर बम गिराए हैं। बी (B)-2 स्टील्थ बॉम्बर्स से इन महा विशालकाय बमों को गिराए हैं और उन्हें नेस्तनाबूद कर दिया है।

चौदह, सवाल है कि अगर अमेरिका खुलकर युद्ध में कूदता है तो क्या ईरान की सरकार का युद्ध में टिकना मुश्किल हो जाएगा। तो जवाब होगा-हां। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि अमेरिका विजेता होगा। बल्कि अफगानिस्तान, इराक, लीबिया, सीरिया, हर जगह पश्चिमी हस्तक्षेप के बाद जैसे स्थिति बदतर हुई और कट्टरपंथी ताकतें सत्ता में आ गईं और आतंकवाद बढ़ा। लिहाजा, ईरान की हार से पश्चिमी एशिया में फिर से वही चक्र शुरू हो सकता है, शरणार्थी संकट, अस्थिरता और आतंकवाद का बढ़ना। पंद्रह, ईरानी दूतावास ने कहा है कि वो इस हमले से रूकने वाला नहीं है। यह हमला उस समय हुआ जब कूटनीतिक बातचीत चल रही थी। वह इजराइल जैसे आक्रामक देश का साथ देकर एक खतरनाक जंग की शुरूआत कर रहा है। ईरान ने साफ कहा कि वह अपने देश की सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए पूरी ताकत से जवाब देगा। ईरान ने अमेरिका को एक गैर-जिम्मेदार देश बताया जो किसी भी नियम का पालन नहीं करता।

सोलह, पश्चिमी एशिया व यूरोपीय देशों का मानना है कि अगर इसराइल और ईरान के बीच संघर्ष और बढ़ा, तो इसका असर केवल क्षेत्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह पूरी दुनिया को प्रभावित करेगा। इसलिए अब हर किसी की नजर इस बात पर टिकी है कि अमेरिका के ईरान पर हमलों के बाद इस्लामिक देशों का रुख क्या होगा? जबकि ईरान की परमाणु ऊर्जा संस्था ने एक तीखा और भावनात्मक बयान जारी किया है। भारत स्थित ईरानी दूतावास ने इस बयान को जारी करते हुए अमेरिका की सख्त शब्दों में निंदा की गई है और फिर से परमाणु कार्यक्रम शुरू करने की कसम खाई गई है।

सत्रह, ईरानी बयान में अमेरिका के इस हमले को 'जंगल का कानून' बताया गया है। इसके अलावा ईरान ने IAEA की चुप्पी की निंदा करते हुए देश के 'परमाणु शहीदों' के नाम पर शपथ ली है और फिर से अपने परमाणु कार्यक्रम को जारी रखने की कसम खाई है। परमाणु सुविधाओं पर हमले के बाद ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन की तरफ से जारी बयान में अमेरिका की निंदा की गई है। ईरानी दूतावास ने अपने बयान में कहा है कि "हाल के दिनों में जायोनी दुश्मन द्वारा किए गए क्रूर हमलों के बाद, आज सुबह देश के कई परमाणु स्थलों पर बर्बर हमला किया गया, जो अंतरराष्ट्रीय कानूनों, विशेष रूप से एनपीटी का उल्लंघन है।

अठारह, ईरान ने दो टूक कहा है कि अमेरिकी कार्रवाई, जो अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करती है, वो दुर्भाग्य से अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की उदासीनता, और यहां तक कि मिलीभगत से हुई है। अमेरिकी दुश्मन ने वर्चुअल सैटेलाइट तस्वीरों के माध्यम से और अपने राष्ट्रपति की घोषणा के द्वारा साइटों पर हमलों की जिम्मेदारी ली है, जो सुरक्षा समझौते और एनपीटी के मुताबिक लगातार IAEA निगरानी के अधीन हैं। यह उम्मीद की जाती है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय "जंगल के नियमों" में निहित इस अराजकता की निंदा करेगा और ईरान को उसके वैध अधिकारों का दावा करने में समर्थन देगा।"

उन्नीस, ईरानी दूतावास ने कहा है कि "ईरान का परमाणु ऊर्जा संगठन ईरान के महान राष्ट्र को आश्वस्त करता है कि अपने दुश्मनों की दुर्भावनापूर्ण साजिशों के बावजूद, हजारों क्रांतिकारी और प्रेरित वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के समर्पण के साथ, यह परमाणु शहीदों के खून पर बने इस राष्ट्रीय उद्योग के डेवलपमेंट को रुकने नहीं देगा। यह संगठन कानूनी कार्रवाइयों सहित महान ईरानी लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है।" ईरान ने यह आरोप लगाया कि यह हमला उन ठिकानों पर किया गया है, जो पहले से ही अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण और निगरानी में थे और इसलिए यह कदम पूरी तरह अवैध और उकसावे की कार्यवाही है।

बीस, निष्कर्षतः, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के इस कदम को साहसिक करार दिया और कहा कि, "मैं और ट्रंप यही मानते हैं कि शक्ति से ही शांति स्थापित होती है। पहले शक्ति दिखाई जाती है और फिर शांति होती है। अमेरिका ने ईरान पर पूरी ताकत के साथ कार्रवाई की है। नेतन्याहू ने ट्रम्प को स्वतंत्र दुनिया का साहसी नेता और इजराइल का सबसे बड़ा दोस्त बताया।" उन्होंने कहा कि, 'पूरे यहूदी समुदाय और इजराइली नागरिकों की ओर से मैं उनका आभार प्रकट करता हूं।'

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

**खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म**

## बाहरी हस्तक्षेप दुनिया को बड़े खतरे की ओर ले जा रही-पुतिन

(एजेन्सी)।

**रूस।** वैसे तो ईरान पर हमले की कई देशों ने निंदा की है। लेकिन रूस खुलकर अमेरिका के अटैक कि खिलाफत कर रहा है। इन सब के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ रूस के राष्ट्रपति संग बैठक हुई है, जिसे ट्रंप का खेल बिगाड़ने की प्लानिंग के तौर पर देखा जा रहा है। अमेरिका द्वारा ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर किए गए हमले के बाद अब पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक समीकरण तेजी से बदलते दिख रहे हैं। दोनों मुल्क एक दूसरे पर वार पलटवार कर रहे थे। लेकिन बीते दिनों जिस तरह ईरान ने इजरायली धरती को सुलगाया और बेहिसाब बारूद बरसाया। उससे न केवल तेल अवीव बल्कि वाशिंगटन तक में खलबली मच गई। इसके बाद से ये सवाल उठने लगे कि क्या ईरान इजरायल युद्ध में पुतिन की एंट्री हो सकती है?

रूस ने जिस अंदाज में दुनिया के सामने इस हमले को लेकर बात कही वो अपने आप में खास थी। अब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को कहा कि ईरान के साथ संघर्ष में मध्य पूर्व से बाहर की शक्तियों की भागीदारी दुनिया को बड़े खतरे की ओर ले जा रही है। इससे पहले पुतिन ने मास्को में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची की मेजबानी की और उनसे कहा कि उनके देश पर अमेरिकी बमबारी का कोई औचित्य नहीं है और मास्को ईरानी लोगों की मदद करने की कोशिश कर रहा है।

## भारत के पास अब केवल 2 ऑप्शन हैं, अमित शाह के बयान से बौखलाए बिलावल ने दी युद्ध की धमकी

(एजेन्सी)।

**पाकिस्तान।** पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी ने भारत को एक और खोखली धमकी देते हुए कहा कि अगर भारत ने सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के तहत इस्लामाबाद को पानी का उचित हिस्सा देने से इनकार कर दिया तो उनका देश युद्ध की ओर बढ़ जाएगा। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने नेशनल असेंबली सत्र के दौरान भारत पर निशाना साधा। बिलावल ने इजराइल के ईरान पर हमले की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 1960 के समझौते को स्थगित कर दिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले सप्ताह ऐतिहासिक समझौते को कभी बहाल न करने की घोषणा की थी। बिलावल की यह टिप्पणी पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय द्वारा शाह की अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के प्रति बेशर्मी से उपेक्षा की आलोचना के दो दिन बाद आई है।

बिलावल भुट्टो ने संसद में दिए भाषण में समझौते को निलंबित करने के भारत के फैसले को खारिज किया और पाकिस्तान के हिस्से का पानी लेने की धमकी दी। उन्होंने सिंधु बेसिन की छह नदियों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत के पास दो विकल्प हैं: पानी को उचित तरीके से साझा करें या हम सभी छह नदियों से पानी अपने पास पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि अभी भी प्रचलन में है क्योंकि समझौते को स्थगित नहीं रखा जा सकता। उन्होंने कहा कि सिंधु (सिंधु नदी) पर हमला और भारत का दावा कि सिंधु जल संधि समाप्त हो गई है और स्थगित है। सबसे पहले, यह अवैध है, क्योंकि सिंधु जल संधि स्थगित नहीं है, यह पाकिस्तान और भारत पर बाध्यकारी है, लेकिन पानी रोकने की धमकी ही संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार अवैध है।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख बिलावल भुट्टो ने भी धमकी दी कि अगर भारत ने धमकी पर अमल करने का फैसला किया तो हमें फिर से युद्ध छेड़ना पड़ेगा। पूर्व विदेश मंत्री ने बातचीत और सहयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला, खासकर आतंकवाद विरोधी प्रयासों में। उन्होंने कहा कि अगर भारत और पाकिस्तान बातचीत करने से इनकार करते हैं और अगर आतंकवाद पर कोई समन्वय नहीं होता है, तो दोनों देशों में हिंसा और बढ़ेगी।

## गाड़ी का टैंक फुल करवा कर रख लें क्या?

(एजेन्सी)।

**ईरान** के परमाणु ठिकानों पर अमेरिका की बमबारी से तेल कीमतों में वृद्धि की आशंकाएं प्रबल हो गयी हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि यदि तेल के दाम बढ़े तो दुनिया भर में महंगाई बढ़ेगी और आर्थिक गतिविधियों में अनिश्चितता आयेगी। ईरान के हालात से उपजी स्थितियों को लेकर सोशल मीडिया पर तमाम तरह की बातें चल रही हैं। कहा जा रहा है कि गाड़ी में तेल भरवा कर रख लो क्योंकि कीमतें बढ़ने जा रही हैं। इस रिपोर्ट के माध्यम से हम पड़ताल करेंगे कि क्या आपको वाकई अपनी गाड़ी का टैंक फुल करवा कर रख लेना चाहिए?

हम आपको बता दें कि ईरान ने अमेरिकी हमलों का जवाब देने की बात कही है ऐसे में यदि युद्ध व्यापक रूप लेता है तो इसके जो नकारात्मक प्रभाव होंगे उसमें ऊर्जा कीमतों में वृद्धि की संभावनाएं सबसे ज्यादा हैं। हालांकि इजराइली शेयर बाजार संकेत दे रहा है कि अब जब ईरान के परमाणु शक्ति बनने की संभावना कम हो गयी है तो मध्य पूर्व की अर्थव्यवस्थाओं में बड़े बदलाव देखे जा सकते हैं। विश्लेषकों का यह भी कहना है कि अगर ईरान हार्मुज जलडमरूमध्य को बंद करता है तो भी तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं।

हम आपको बता दें कि हार्मुज जलडमरूमध्य 33 किमी चौड़ा है और वहां से दुनिया का लगभग एक-चौथाई तेल व्यापार और 20% तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति होती है। वैसे विश्लेषकों का यह भी कहना है कि अगर ईरान हार्मुज को पूरी तरह बंद कर देता है तो उसकी खुद की तेल आपूर्ति भी बंद हो जाएगी। हम आपको बता दें कि तेल की कीमतें सोमवार (23 जून, 2025) को जनवरी के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं हैं क्योंकि अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया है जिससे आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई है। हम आपको यह भी बता दें कि ईरान ओपेक का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल उत्पादक है।

तेल बाजार को डर है कि ईरान की जवाबी कार्रवाई में अगर हार्मुज जलडमरूमध्य को बंद किया गया तो वैश्विक तेल आपूर्ति पर गहरा असर पड़ेगा। हम आपको यह भी बता दें कि ईरान की प्रेस टीवी ने बताया है कि ईरानी संसद ने इस जलडमरूमध्य को बंद करने का प्रस्ताव पारित कर दिया है। वैसे ईरान पहले भी ऐसा करने की धमकी दे चुका है लेकिन कभी इस पर अमल नहीं किया। हालांकि इस क्षेत्र से बाहर वैकल्पिक पाइपलाइन मार्ग मौजूद हैं, लेकिन जलडमरूमध्य बंद होने की स्थिति में तेल की पूरी मात्रा का निर्यात संभव नहीं हो पाएगा। माना जा रहा है कि डर के कारण शिपिंग कंपनियां इस क्षेत्र से बाहर ही रहना पसंद करेंगी।

जहां तक भारत का सवाल है तो इसके बारे में मोदी सरकार बेहद गंभीर है कि तेल की कमी नहीं होने पाये। वैसे भी भारत के पास रिकॉर्ड संख्या में तेल रिजर्व है इसलिए यहां कीमतें बढ़ने की गुंजाइश कम ही है। भारत के पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा भी है कि हमने इस स्थिति का पूवार्नुमान लगाया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार लगातार स्थिति की समीक्षा कर रही है, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की संभावना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि हम आपूर्ति के स्त्रोतों में विविधता लाये हैं। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिदिन खपत होने वाले 5.5 मिलियन बैरल कच्चे तेल में से लगभग 1.5-2 मिलियन होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से आता है। पेट्रोलिय मंत्री ने बताया कि हम अन्य मार्गों से लगभग 4 मिलियन बैरल आयात करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हमारी तेल विपणन कंपनियों के पास पर्याप्त स्टॉक है। उनमें से अधिकांश के पास तीन सप्ताह तक का स्टॉक है। उनमें से एक के पास 25 दिनों का स्टॉक है। उन्होंने कहा कि हम अन्य मार्गों से कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ा सकते हैं... इस मामले में किसी भी चिंता का कोई कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि हम सामने आने वाली स्थिति पर नजर रखेंगे और प्रधानमंत्री पहले ही सभी प्रमुख नेताओं से बात कर चुके हैं। उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति से तनाव कम करने के लिए लंबी बातचीत की है। यह हमारी आशा है और हम सभी अपेक्षा करते हैं कि स्थिति और अधिक बिगड़ने के बजाय शांत हो जाएगी और तनाव कम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हम बदलती स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

## इंग्लैंड के खिलाफ ऋषभ पंत ने सेंचुरी ठोक कर रचा इतिहास

(एजेन्सी)।

**लीड्स** में खेले जा रहे भारत और इंग्लैंड के बीच पहले टेस्ट में टीम इंडिया के उपकप्तान ऋषभ पंत का बल्ला जमकर गरज रहा है। उन्होंने एक के बाद एक करके दोनों पारियों में शतक जड़कर इतिहास रच दिया है। पंत टेस्ट इतिहास में ऐसे पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने एक मैच की दोनों पारियों में सेंचुरी लगाई हो। वो पहले ही रेड-बॉल फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय विकेटकीपर बन चुके हैं। पंत ने पहली पारी में 134 रन बनाए तो दूसरी पारी में वह 120 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया है।

भारतीय टीम ने अपना पहला ऑफि शियल टेस्ट मैच साल 1932 में खेला था। अब तक 93 साल के भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में कोई भी विकेटकीपर बल्लेबाज टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक नहीं लगा पाया है। अब पंत ऐसा करने वाले एकमात्र भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। पंत ऐसे पहले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं जिन्होंने इंग्लैंड में खेलते हुए किसी टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया है।

बता दें कि, पंत ऐसे कुल सातवें भारतीय बल्लेबाज हैं जिन्होंने एक टेस्ट मैच की दो पारियं में शतक ठोका है। सुनील गावस्कर ने 3 बार ऐसा किया है जबकि राहुल द्रविड़ ने 2 बार, विजय हजारे, रोहित शर्मा, विराट कोहली, अंजिक्य रहाणे भी एक-एक बार ऐसा कर चुके हैं। अब इन दिग्गजों में पंत का नाम भी शामिल हो गया है।

## पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया के साथ दिलजीत को काम करना पड़ा भारी

(एजेन्सी)। **दिलजीत** दोसांझ और नीरू बाजवा की फिल्म सरदार जी 3 शुरू से ही चर्चा में थी। इसमें दिलजीत और नीरू एक साथ नजर आएंगे और इसके अलावा इस बात की प्रबल खबरें थीं कि इस फिल्म से पाकिस्तानी कलाकार हानिया आमिर अपना पॉलीवुड डेब्यू करेंगी। पहले, हानिया के फिल्म का हिस्सा होने के बारे में सभी ने चुप्पी साधी हुई थी, लेकिन हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर ने इस बात को साफ कर दिया है, वह फिल्म की प्रमुख महिलाओं में से एक हैं। फिल्म को प्रशंसकों और सिनेमा संगठनों की ओर से कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। निमार्ताओं द्वारा भारत में रिलीज न किए जाने के बाद फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज के अध्यक्ष बीएन तिवारी ने इंडिया टुडे को एक्सक्लूसिव तौर पर बताया कि वे दिलजीत दोसांझ और फिल्म के निमार्ताओं को भारत में प्रतिबंधित करने के लिए आधिकारिक निर्देश जारी करने की योजना बना रहे हैं। यह फिल्म पंजाबी हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी सरदार जी का तीसरा भाग है, जिसका निर्देशन अमर हुंदल ने किया है। फिल्म को गुनबीर सिंह सिद्धू और मनमोर्ड सिद्धू की व्हाइट हिल स्टूडियोज और स्टोरी टाइम प्रोडक्शंस ने मिलकर बनाया है। दिलजीत ने रविवार रात अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का ट्रेलर शेयर किया। अभिनेता ने कहा कि यह फिल्म, जो पहले दुनिया भर में रिलीज होने वाली थी, अब 27 जून को केवल विदेशों में ही रिलीज होगी। कैप्शन में लिखा है, सरदार जी 3 केवल विदेश में 27 जून को रिलीज हो रही है। इसके बाद कई सोशल मीडिया यूजर्स ने फिल्म में पाकिस्तानी कलाकार के चयन को लेकर नाराजगी जताई। एक यूजर ने लिखा-बायकॉट, तो दूसरे ने टिप्पणी की-दिलजीत दोसांझ गद्दार है। यह विवाद अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुआ है, जिसमें 26 आम नागरिकों की जान गई थी। 22 अप्रैल को हुए इस हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के संबंधों में एक बार फिर तनाव देखा गया है। आंतकी हमले के बाद भारत में हानिया आमिर, फवाद खान, माहिरा खान, अली जफर, आतिफ असलम और राहत फतेह अली खान समेत पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट्स को बैन कर दिया गया है। फवाद खान और वाणी कपूर की फिल्म अबीर गुलाल को भी भारत में रिलीज करने की अनुमति नहीं मिली थी। यह फिल्म मई में रिलीज होने वाली थी।

# प्रगतिशील नीतियों के कारण ऐतिहासिक औद्योगिक क्रांति का साक्षी बन रहा है पंजाब: हरपाल सिंह चीमा

संजना भारती संवाददाता

**चंडीगढ़।** पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार की प्रगतिशील औद्योगिक विकास नीतियों के परिणामस्वरूप प्रदेश आज एक ऐतिहासिक औद्योगिक क्रांति का साक्षी बन रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास को और तेज करने के लिए इस समय कई नई पहलकदमियां प्रक्रिया में हैं।

एच.एम.टी. इंडस्ट्रियल पार्क और माया गार्डन ग्रुप द्वारा गत सायं संयुक्त रूप से आयोजित व्यापार मेले को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने हाल ही में लागू किए गए फास्ट ट्रैक सिंगल विंडो सिस्टम पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह नवाचारी प्रणाली यह सुनिश्चित करती है कि आवश्यक परियोजनाओं की स्वीकृतियां 45 दिनों के भीतर प्रदान कर दी जाएं। यदि इस समय सीमा के भीतर स्वीकृतियां नहीं दी जातीं तो इसे स्वयं स्वीकृत मान लिया जाएगा और इसके लिए संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होगी।

राज्य सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए वित्त मंत्री ने बताया कि पंजाब सरकार ने रजिस्टर्ड सेल डीड जारी करने के लिए रंगीन कोडेड स्टाम्प पेपर भी लागू किया है, जिसमें अब पहले से ही चेंज ऑफ लैंड यूज (सी.एल.यू.) स्वीकृति शामिल होती है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के तहत छह मुख्य विभाग-राजस्व, आवास एवं शहरी विकास, स्थानीय सरकारें, पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वन एवं वन्य जीव, तथा श्रम एवं फैक्ट्रियां द्वारा निर्धारित समय-सीमाओं के भीतर सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से पूर्व-स्वीकृतियों की प्रक्रिया कुशलतापूर्वक पूरी की जाती है।

वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि पंजाब सरकार ने पंजाब लघु उद्योग एवं निर्यात निगम के माध्यम से प्लॉटों के क्लबिंग और डी-क्लबिंग के लिए एक व्यापक नीति को स्वीकृति दी है, जो भूमि उपयोग दक्षता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों द्वारा लंबे समय से की जा रही मांगों को पूरा करेगा, जिसमें परियोजनाओं के विस्तार के लिए साथ लगते प्लॉटों को मिलाने या बांटने की सहूलियत शामिल है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राज्य सरकार लीजहोल्ड प्लॉटों को फ्रीहोल्ड में बदलने के लिए एक नीति लाने की योजना बना रही है। सी.एल.यू. प्रक्रिया को सरल बनाने के राज्य सरकार के प्रयासों पर बल देते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि स्टैंडअलोन उद्योगों के लिए अनुमत क्षेत्रों में सी.एल.यू. स्वीकृतियां प्राप्त करने की शर्त हटा दी गई है। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण बदलाव ने राज्यभर में नए औद्योगिक इकाइयों की स्थापना में हो रही देरी और जटिलता को काफी हद तक कम कर दिया है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार की औद्योगिक विकास को अधिकतम प्रोत्साहन देने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले दो महीनों के दौरान ही औद्योगिक क्षेत्र को 180 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार न केवल मौजूदा उद्योगों को प्रोत्साहित कर रही है, बल्कि राज्य के औद्योगिक वातावरण को मजबूत बनाते हुए नए उद्यमों को आकर्षित करने के लिए भी लगातार प्रयासरत है। राज्य सरकार की इन पहलकदमियों के लिए धन्यवाद करते हुए एच.एम.टी. समूह के सी.एम.डी. श्री मेघराज गर्ग ने कहा कि 'रेड जोन' में स्थित एच.एम.टी. इंडस्ट्रियल पार्क हर प्रकार के उद्योगों की स्थापना की अनुमति देता है। उन्होंने औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने और समय पर परियोजना स्वीकृतियों को सुनिश्चित करने के लिए पंजाब सरकार की सराहना की।

उल्लेखनीय है कि लालडू स्थित एच.एम.टी. इंडस्ट्रियल पार्क उभरते उद्योगों के लिए एक हब के रूप में कार्य कर रहा है और एनएच 22, एनएच 72 और एनएच 73 से बेहतरीन कनेक्टिविटी प्रदान करता है।

इस अवसर पर उपस्थित अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में एच.एम.टी. के निदेशक सुदर्शन सिंगला और माया गार्डन समूह के सी.एम.डी. सतीश जिंदल भी शामिल थे।

# ओलंपिक दिवस पर खेलों को मिला नया जोश, हरियाणा में सुविधाएं होंगी मजबूत: मीनू बेनीवाल

## कयाकिंग-कैनोइंग खिलाड़ियों ने भाखड़ा नहर में किया अभ्यास, 400 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

**एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी**

**करनाल।** हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष कैप्टन जसविंदर मीनू बेनीवाल ने कहा कि प्रदेश में खेल ढांचे को लगातार मजबूती दी जा रही है और खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में खेलों के विकास के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। वे सोमवार को करनाल के काछवा रोड स्थित भाखड़ा नहर के पास आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर कयाकिंग एवं कैनोइंग के खिलाड़ियों ने नहर में अभ्यास कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन हरियाणा ओलंपिक संघ के सहयोग से किया गया, जिसमें लगभग 400 खिलाड़ी, कोच और खेल जगत से जुड़े सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम का समन्वय मंजीत सिंह, सन्नी ढुल, रक्षित तुशीर और रोहित पुंडीर द्वारा किया गया।

कैप्टन मीनू बेनीवाल ने कहा कि खेलों से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है बल्कि यह टीम वर्क, अनुशासन और लक्ष्य की भावना भी विकसित करता है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पदक विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि और सरकारी नौकरियों की सुविधा दी जा रही है। हरियाणा ओलंपिक संघ का लक्ष्य है कि हर खिलाड़ी को बेहतर संसाधन मिलें और वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करे। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण स्तर पर खेल सुविधाएं बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम होगा, ताकि गांवों से निकलने वाली प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण और माहौल मिल सके। कयाकिंग एवं कैनोइंग जैसे चुनौतीपूर्ण खेलों में खिलाड़ियों को अधिक मेहनत करनी पड़ती है, इसलिए उन्हें विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा।

विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे जिला बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान एडवोकेट जंगबहादुर सिंह चौहान ने कहा कि खेल जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को लगातार मेहनत करने की प्रेरणा दी और उन्हें ओलंपिक मूल्यों से जुड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में भीम पुरस्कार विजेता कोच रविंद्र और बिजेंद्र ने मुख्य अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन कैप्टन मीनू बेनीवाल के धन्यवाद भाषण के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने खिलाड़ियों, कोचों और आयोजन समिति का आभार व्यक्त करते हुए ओलंपिक खेलों को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

## डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दी श्रद्धांजलि

**एसबी संवाददाता**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और इस दौरान पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार, बलिदान और राष्ट्रभक्ति आज भी हर भारतवासी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने एक देश में दो प्रधान, दो निशान, दो संविधान नहीं चलेंगे का संकल्प लेकर राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उनके अथक प्रयासों से जम्मू-कश्मीर में लागू 'परमिट प्रथा' समाप्त हुई और देश की एकता को मजबूती मिली। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें गर्व है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को समाप्त कर अखंड भारत के संकल्प को साकार किया है।

## मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता के निधन पर दुख व्यक्त किया

**एसबी संवाददाता**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता परमेश्वरी देवी (91 वर्षीय) के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने रोहतक स्थित उनके आवास पर पहुंचकर शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने परमेश्वरी देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि माता परमेश्वरी देवी धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं और उन्होंने हमेशा समाज व गरीब कल्याण के लिए कार्य किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का संदेश देकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का काम किया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु के निवास स्थान पर त्रिवेणी का पौधारोपण किया। इस अवसर पर पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा, पूर्व सांसद रमेश कौशिक, पूर्व विधायक लीलाराम, भाजपा के संगठन मंत्री फर्णींद्र नाथ शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

# जसरा में पत्रकार संघ की बैठक सम्पन्न

संजना भारती संवाददाता

**मनोज कुमार बिन्द**

**बारा, प्रयागराज।** पत्रकार एसोसिएशन प्रयागराज यूपी संघ के प्रदेश इकाई की एक बैठक रविवार को जसरा स्थित जय कामतानाथ टेंडर्स में प्रदेश अध्यक्ष पी सी पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में संघ विस्तार समेत पत्रकार उत्पीड़न पर चर्चा एवं कार्ड वितरण भी किया गया। संघ विस्तार पर उपस्थित सभी साथियों ने अपने अपने विचार रखे। साथ ही आए हुए तीन नए पत्रकार साथियों अजय द्विवेदी, राजेश सोनकर, हितेश तिवारी को संघ की सदस्यता दिलाई गई। बैठक में मुख्य रूप से कमलाकर सिंह, एसपी पाण्डेय, पीसी पाण्डेय, सुरेश चंद्र पाण्डेय, ज्ञानेंद्र पाठक, अजय द्विवेदी, अनूप जायसवाल, आसीस द्विवेदी, अंबुज त्रिपाठी, राकेश मिश्रा, हितेश तिवारी, राजेश सोनकर आदि लोग उपस्थित रहे।

# कार्यक्रम की रुपरेखा को लेकर विस्तार पूर्वक बैठक हुई आयोजित

एसबी ब्यूरो

**बीहट/बेगूसराय।** सिद्धाश्रम सिमरिया धाम के प्रांगण में पांच दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के कार्यक्रम को लेकर पूज्य गुरुदेव चिदात्मन जी महाराज के सानिध्य में एक बैठक आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता अखिल भारतीय सर्वमंगला समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र चौधरी ने किया। इस बैठक में मुख्य रूप से कार्यक्रम की रूपरेखा रेखा को लेकर विस्तार से परिचर्चा आयोजित हुई। 25.06.2025 बुधवार को कलश यात्रा कुंभ स्नान सह रथ यात्रा का प्रारंभ आश्रम परिसर से शुरू होकर राम जानकी घाट तक पूरे गुप्त नवरात्र पर्यन्त तक चलेगा, रथ परिक्रमा का विश्राम 05. 07.2025 को संपन्न होगा। उसके बाद 06.07.2025 रविवार के दिन हरि शयनी एकादशी तिथि को संध्या चार बजे से गुरुदेव भगवान का जन्मोत्सव मनाया जायेगा और 7.07.2025 सोमवार से 9.07.2025 बुधवार तक त्रिदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा जिसका मुख्य विषय भारतीय संस्कृति और संस्कार में सिन्दूर का महत्व" रखा गया है और कार्यक्रम विश्राम 10.07.2025 को गुरु पूजन का कार्य होगा।

मौके पर सर्वमंगला सिद्धाश्रम के व्यवस्थापक रविन्द्र ब्रह्मचारी, संस्था के सचिव दिनेश प्रसाद सिंह,कोषाध्यक्ष नवीन सिंह, हिन्दुस्तान अखबार के वरिष्ठ सदस्य विजय सिंह, मीडिया प्रभारी नीलमणि, राजीव कुमार, डॉ. घनश्याम झा, डॉ. विजय झा, प्रो. प्रवीण प्रेम, सत्या नन्द, मुरारी मनु, पवन कुमार, सनातन झा, शिवू झा, अरविंद चौधरी, पंडित दिनेश झा, तरुण कुमार, पप्पू सिंह, नागेंद्र सिंह, शिवम, विनायक, राम झा, लक्ष्मण झा, रंजना कुमारी, पूनम कुमारी, ऋतु सिंह सुनीता देवी, चंद्रभानु देवी इत्यादि मौजूद थे।

# खानपुर अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी को मिली एक बड़ी सफलता

# 78 लीटर विदेशी शराब के साथ दो शराब कारोबारी गिरफ्तार

## ■ अपर थानाध्यक्ष ने गिरफ्तार शराब कारोबारी को भेजा जेल

संजना भारती संवाददाता

**अर्जुन कुमार झा**

**समस्तीपुर।** खानपुर अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने पुलिस फोर्स के साथ गुप्त सूचना मिला कि खानपुर गाँव वार्ड-5 एकता चौक के समीप दो युवक अधिक मात्रा में विदेशी शराब लेकर जाने की सूचना मिला।

सूचना मिलते ही अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने पुलिस फोर्स के साथ त्वरित कारवाई करते हुऐ थाना क्षेत्र के खानपुर गाँव वार्ड-5 एकता चौक के पास से दोनो युवक को रुकने का इशारा किया गया तो दोनों ने शराब से भरा हुआ झोला लेकर भागने लगा। जिसे अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने फोर्स के सहयोग से खदेड़ने लगे। खदेड़ने के दौरान दोनों युवक को शराब से भरा हुआ झोला के साथ अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने पकड़ लिया। वही बरामद दोनों झोला की तलासी किया गया तो दोनों बड़ा झोला में 78 लीटर विदेशी शराब रखे हुये था। तथा बरामद शराब की जप्ती सूची बना कर बरामद शराब के साथ मौके पर गिरफ्तार दोनों युवक को थाना लाया गया।

वही बताते चले कि 78 लीटर विदेशी शराब बरामद व मौके पर दो शराब कारोबारी युवक को गिरफ्तार करने में अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी को बड़ी सफलता मिली है। वही विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार दो युवक के बारे में पूछने पर अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस फोर्स के साथ त्वरित कारवाई करते हुऐ (1) राजेश कुमार महतो पिता रामउदगार महतो ग्राम-खानपुर वार्ड-5 एकता चौक थाना खानपुर व (2) चंदन सिंह पिता दिलीप सिंह ग्राम फतेहपुर थाना खानपुर के द्वारा अवैध रूप से विदेशी शराब की बिक्री धड़ल्ले से किये जाने का खुपिया तंत्र के माध्यम से सूचना मिला। जिसे सूचना मिलते ही त्वरित कार्वाई करते हुए खानपुर एकता चौक के समीप से दोनों युवक को खदेड़ कर 78 लीटर विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार करने में सफलता मिला है।

वही गिरफ्तार शराब कारोबारी (1) राजेश कुमार महतो पिता रामउदगार महतो ग्राम खानपुर वार्ड-5 एकता चौक व (2) चंदन सिंह पिता पिता दिलीप सिंह ग्राम फतेहपुर दोनों थाना खानपुर के विरूद्ध उत्पाद व मद्य निषेद्य अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों शराब कारोबारी को पुलिस पदाधिकारी व उचित मार्गरक्षी दल के साथ सरकारी वाहन से माननीय न्यायालय समस्तीपुर में उपस्थापन हेतु भेज दिया गया है।

# युनानी मेडिकल कॉलेज में चर्म रोग के विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया

संजना भारती संवाददाता

**टोंक।** डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के संघटक यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ युनानी टोंक में मानव संसाधन विकास केंद्र के संयोजन से को प्रीवेंशन एंड मैनेजमेंट ऑफ स्किन डिजीज इन युनानी सिस्टम ऑफ मेडिसिन के विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर सरफराज अहमद ने व्याख्यान दिया। सेमिनार में मुख्य अतिथि डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलगुरु वैद्य प्रदीप कुमार प्रजापति रहे उन्होंने कहा कि त्वचा रोग सबसे आम मानवीय बीमारियों में से एक है पिछले कुछ दशकों में त्वचा रोगों की व्यापकता बढ़ी है और ये दुनिया भर की स्वास्थ्य सेवाओं पर एक महत्वपूर्ण बोझ डालते हैं।

इस तरह की सेमिनार से त्वचा रोग के व्यापक प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि छात्रों को ईमानदारी और मेहनत से अपने अध्ययन पर ध्यान देना चाहिए और एक कामयाब चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करना चाहिए। कुलगुरु जी ने युनानी कॉलेज में जारी कार्य एवं चिकित्सालय बग्गी खाना टोंक में चल रहे रिनोवेशन एवं रिपेयरमेंट के कार्य का निरीक्षण किया एवं प्रगति रिपोर्ट ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ यूनानी टोक के नोडल ऑफिसर डॉक्टर राकेश कुमार शर्मा एवं प्रोफेसर गोविंद प्रसाद गुप्ता मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर सेमिनार में विशिष्ट अतिथि रहे।

डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने पर चर्म रोग होने की संभावना अधिक रहती है सेमिनार की सराहना करते हुए कहा कि सेमिनार में चर्म रोग के कारण और निदान के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही चर्म रोगों से बचने के उपायों के बारे में भी बताया गया। डॉक्टर सरफराज अहमद ने चर्म रोग विषय पर व्याख्यान में यूनानी मेडिसिन में प्रयोग होने वाली असरकारक औषधियां को रेखांकित करते हुए बताया कि युनानी मेडिसिन में चर्म रोगों का बहुत ही सफल इलाज मौजूद है और यूनानी चिकित्सालय बग्गी खाना टोंक में दूर दराज से लोग चर्म रोग का इलाज करने आते हैं एवं रोगों से मुक्ति पाते हैं। उन्होंने कहा कि चर्म रोग एक्जिमा, मुहासे, स्कीन एलर्जी, ल्यूकोडरमा, सहित कई तरह के होते हैं। रोगों से बचाव के लिए संक्रमित द्वारा उपयोग किये गये सामाग्री से दूर रहें, इम्यूनिटी स्ट्रांग बनाने के लिए ताजे फल, प्रोटीन, आयरन को आहार में शामिल करें। पानी, ग्रीन टी, लस्सी, जूस आदि लें। तंग कपडे ना पहनें। सिंथेटिक कपड़ों का भी बिलकुल प्रयोग ना करें।

सेमीनार में डॉक्टर मोहम्मद अकमल, डॉक्टर शाहिद अली खान, डॉक्टर राशिद अली खान, डॉक्टर खालिद अली खान, डॉक्टर जीशन अली, डॉक्टर आसिफ अहमद खान, डॉक्टर अनिसुर रहमान, डॉक्टर साएमा, डॉक्टर मरगूब,डॉक्टर खतीब अहमद, डॉक्टर सैफी डॉक्टर शाहिद हसन आदि शिक्षक, चिकित्सक, इंटर्न, छात्र एवं अन्य स्टॉफ मौजूद रहे। कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर मोहम्मद इरशाद खान ने सेमीनार में पधारने के लिए कुलगुरु वैद्य प्रदीप कुमार प्रजापति जी एवं अन्य सभी का आभार व्यक्त किया।

# 20,000 रुपए रिश्वत लेते हुए ब्लॉक समिति पटवारी विजीलेंस ब्यूरो द्वारा गिरफ्तार

**संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा**

**चंडीगढ़।** पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुए गुरदासपुर में तैनात ब्लॉक समिति पटवारी निशान सिंह को 20,000 रुपए रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यह गिरफ्तारी गुरदासपुर के गांव बबरी नंगल की एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई है। शिकायतकर्ता, जो ग्राम पंचायत बबरी नंगल की मौजूदा पंचायत सदस्य है, ने विजिलेंस ब्यूरो को बताया कि उसके पति पिछले 50 वर्षों से गांव की साझा (शामलात) 25 एकड़ जमीन में से लगभग 22 कनाल और 11 मरले भूमि पर खेती कर रहे हैं और यह जमीन उनके नाम पर गिरदावरी में दर्ज भी है। शिकायतकर्ता ने आगे बताया कि एक शिकायत के आधार पर, बीडीपीओ कार्यालय ने उन्हें इस संबंध में स्पष्टीकरण देने को कहा था। उन्होंने गांव के मौजूदा सरपंच से इस मामले को सुलझाने के लिए निवेदन किया, लेकिन पटवारी निशान सिंह ने विभागीय स्तर पर मामला हल करने के लिए 20,000 रुपए रिश्वत की मांग की। प्रवक्ता ने बताया कि शिकायत की प्राथमिक जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया और आरोपी निशान सिंह को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 20,000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

इस संबंध में विजिलेंस ब्यूरो थाना, अमृतसर रेंज में आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को कल सक्षम अदालत में पेश किया जाएगा और मामले की आगे जांच जारी है।

# हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने सुनी लोगों की समस्याएं, मौके पर किया समाधान

## ■ मौके पर हो लोगों की समस्याओं का समाधान-हरविन्द्र कल्याण

**एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी**

**करनाल।** हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने घरौंडा में लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में हलके के लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द निवारण के निर्देश दिए। इसके साथ-साथ कुछ समस्याओं का मौके पर भी समाधान किया।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सोमवार सुबह ढाई घंटे से अधिक समय तक लोगों की सामूहिक एवं व्यक्तिगत समस्याएं सुनीं। बड़ी संख्या में लोग विभिन्न प्रकार की समस्याएं लेकर पहुंचे थे। विधानसभा अध्यक्ष ने हर समस्या को गंभीरता से सुना और उनके निपटारे के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

घरौंडा के कुछ लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग से रेस्ट हाउस को जोड़ने वाले कट को चौड़ा करने की मांग की ताकि हादसे का अंदेशा खत्म हो। अनाज मंडी में किसानों और जनता के लिए शौचालय बनवाने की मांग भी विधानसभा अध्यक्ष के सम्मुख रखी गई। गांव वजीदा के लोगों ने सडक पर जमा होने वाले पानी की समस्या के समाधान के लिए पीडब्ल्यूडी की सडक के साथ नाला बनवाने, कम्युनिटी हाल बनवाने, पनौड़ी-जमालपुर सडक पर नाला बनवाने और अमृतपुर के सैनी मोहल्ले में कम्युनिटी सेंटर बनवाने की भी मांग की।

इसके अलावा लोगों ने कर्ण विहार गली नंबर 5 में बिजली की पुरानी तारों को बदलवाने की मांग रखी। इन तारों के कारण हर समय हादसे की आशंका रहती है। विकास नगर फूसगढ़ रोड गली नंबर 9 में बिजली की तारे डलवाने की भी मांग रखी गई। लोगों ने बताया कि इस समय पिछली गली से मकानों के ऊपर से तारें डालकर जैसे-तैसे काम चलाया जा रहा है।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि क्षेत्र वासियों की समस्याओं का समाधान करना, उनकी पहली प्राथमिकता है। जो भी व्यक्ति समस्या लेकर आता है, उनका पूरा प्रयास रहता है कि इनका समय पर समाधान करवाया जाए। क्षेत्र के बड़े प्रोजेक्ट, विकास कार्यों को लेकर वह स्वयं भी अधिकारियों से रिपोर्ट लेते हैं और निरंतर रिव्यू करते हैं।

इस मौके पर एसडीएम राजेश सोनी, सीएमओ डा. पूनम चौधरी, मण्डल अध्यक्ष रोहित भंडारी, नगर पालिका चेयरमैन हैप्पी गुप्ता, नगर पालिका सचिव रवि प्रकास व पूर्व मण्डल अध्यक्ष सुभाष कश्यप के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

# निष्ठा पूर्वक ड्यूटी करके खाकी का मान रखने वाले पुलिस कर्मचारियों पर विभाग को है गर्वः एसपी आस्था मोदी



पुलिस टीम को सम्मानित करते हुए एसपी कैथल आस्था मोदी। (छायाः एसबी)

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार**

**कैथल।** पिछले एक माह दौरान नशा तस्करों पर शिकंजा कसकर 5 मामलों में 8 आरोपियों को काबू करके बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ जब्त करके उल्लेखनीय सफलता हासिल करने के लिए एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ पुलिस टीम को एसपी आस्था मोदी ने प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

सम्मानित होने वालो में एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी सब इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार, एसआई शुभकरण, एसआई जयभगवान, एएसआई जसमेर सिंह, एएसआई अशोक कुमार, एएसआई मनोज कुमार, महिला एचसी सुदेश, एचसी सुनील, एचसी अनिल, एचसी ईशम सिंह, एचसी लखविंद्र, ड्राइवर एचसी संदीप, सिपाही कैलाश, एसपीओ राजेश, अमित, एचसी ईशम सिंह, होमगार्ड विकास व मनोज कुमार शामिल रहे। पुलिस प्रवक्ता प्रवीन श्योकंद ने जानकारी देते हुए बताया कि एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ की उक्त पुलिस टीम द्वारा गत एक माह दौरान नशा तस्करों पर शिकंजा कसते हुए 21 मई को 2 आरोपियों को 1 किलो 30 ग्राम चरस सहित, 8 जून को एक आरोपी को 2 किलो 608 ग्राम अफीम सहित, 15 जून को 2 आरोपियों को 511 ग्राम गांजा सहित, 18 जून को एक आरोपी को 863 ग्राम चरस सहित तथा 21 जून को काकौत से 1 किलो 313 ग्राम अफीम सहित 2 आरोपियों को काबू किया गया।

इस दौरान एसपी आस्था मोदी ने कहा कि निष्ठा पूर्वक डयूटी करके खाकी का मान-सम्मान रखने वाले पुलिस कर्मचारियों पर विभाग को गर्व है, तथा कैथल पुलिस के अन्य जवान इनसे प्रेरणा लेकर निष्ठापूर्वक कर्तव्य पालना करें। बहादुरी से निष्ठा पूर्वक ड्यूटी करने वाले कर्मचारी-अधिकारियों को आगे भी इसी प्रकार सम्मानित किया जाएगा।

# करनाल में एसएसजी 2025 का आगाज

## ■ जिले के 30-40 गांवों में सार्वजनिक स्थलों की होगी स्वच्छता जांच, रैंकिंग के आधार पर मिलेगा राष्ट्रीय स्तर पर स्थान

**एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी**

**करनाल।** स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण (एसएसजी) 2025 का जिला स्तरीय शुभारंभ सोमवार को जिला परिषद सभागार में किया गया। इस अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भी किया गया, जिसमें अधिकारियों को ग्रामीण स्वच्छता सर्वेक्षण के उद्देश्यों, प्रक्रियाओं और अपेक्षाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि एसएसजी 2025 के अंतर्गत जिले के 30 से 40 गांवों को चिह्नित कर वहां के सार्वजनिक स्थलों जैसे विद्यालय, आंगनवाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत भवन पर स्वच्छता की स्थिति का आकलन किया जाएगा। इस मूल्यांकन के आधार पर जिलों को राष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्वच्छता में जनभागीदारी अहम है और स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सभी विभागों को मिलकर समन्वित प्रयास करने होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांवों में शौचालयों की स्थिति दुरुस्त होनी चाहिए और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा ग्रे वॉटर ट्रीटमेंट की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

ग्राम स्तर पर 16 सदस्यीय सफाई समिति की सक्रियता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि इन समितियों की नियमित बैठकें हों ताकि ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा सके। साथ ही, जन स्वास्थ्य विभाग को पंप और सबमर्सिबल की लीकेज की जांच करने और बीडीपीओ को गांवों में जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।



उन्होंने सभी विभागों को 'कैच द रेन' अभियान के तहत कार्यालय परिसरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को चालू रखने व आवश्यक मरम्मत करवाने को भी कहा। इसके अलावा, उन्होंने 'पौधारोपण अभियान' की शुरूआत की घोषणा करते हुए कहा कि आगामी 45 दिनों में जिले के प्रत्येक ब्लॉक में 10,000 पौधे लगाए जाएंगे ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाई जा सके।

इस अवसर पर डिप्टी सीईओ रोजी, बीडीपीओ गुरमलख सिंह, बीडीपीओ कुंजपुरा मोनिका, जिला शिक्षा अधिकारी सुदेश ठुकराल, जिला कार्यक्रम अधिकारी सीमा प्रसाद, ब्लॉक कॉर्डिनेटर ब्रह्मजीत, पूरन चंद्र, कुसुमलता, रेणू सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

# स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जाएगा विशेष टीकाकरण सप्ताहः डॉ. रेणू चावला

## ■ पांच वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा 10 से 16 वर्ष तक के किशोरों का किया जाएगा टीकाकरण

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार**

**कैथल।** सिविल सर्जन डा. रेणू चावला ने बताया कि गर्भवती व बच्चों को जानलेवा बीमारियों से बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष टीकाकरण सप्ताह 23 जून से 28 जून तक चलाया जाएगा। इसमें जन्म से लेकर पांच वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा 10 से 16 वर्ष तक के किशोरों का टीकाकरण किया जाएगा।

इस अभियान के तहत हाई रिस्क एरिया, झुग्गी बस्ती, अर्बन स्लम, भठठों पर स्पेशल टीकाकरण कैंपों का आयोजन किया जाएगा। बच्चों व गर्भवती महिलाओं में 11 प्रकार की जानलेवा बीमारियों की रोकथाम के लिए यह टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जागरूकता के अभाव में काफी गर्भवती महिलाएं व बच्चों को जरूरी टीके नहीं लग पाते। इससे वह खसरा, टी.बी, पोलियो, गल घोटू, काली खांसी, टिटनेस, हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप, हेपेटाइटिस बी, रोटा वायरस यानी डायरिया, न्यूमोकोकल रोग एवं न्यूमोकोकल जनित निमोनिया, खसरा,




सिविल सर्जन कैथल डॉ. रेणू चावला।

जापानी एन्सेफेलाइटिस जैसी बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय टीकाकरण जिला कैथल की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं पर निःशुल्क उपलब्ध हैं। उन्होंने जिला वासियों से आह्वान किया कि वे अपने नन्हे मुन्ने बच्चों, गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण करवाने के लिए जागरूक करें।

# धारा-370 हटाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को किया साकारः हरविन्द्र कल्याण



**एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी**

**करनाल।** हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को हटा कर भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एक देश, एक विधान के सपने का साकार किया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत की पहली सरकार में मंत्री बने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक देश, दो कानून के खिलाफ आवाज उठाई। संसद में आवाज दबाए जाने पर उन्होंने जम्मू के लिए पैदल कूच किया। सीमा प्रवेश के बाद उन्हें जम्मू-कश्मीर की सरकार द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया और जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गई।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण आज घरौंडा हलके के गांव कोहंड में बलिदान दिवस पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि देने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने इसी गांव में जैन स्थानक के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम में भी भाग लिया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि समाज, राष्ट्र व मानवता की भलाई के लिए कार्य करने वाले ही महापुरुष होते हैं। केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महापुरुषों की जयंती मनाने का जो क्रम शुरू किया गया है उसके पीछे मुख्य मकसद यही है कि लोग इनकी शिक्षाओं से कुछ सीख लेकर समाज व राष्ट्रहित में भी कार्य करें।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक देश, दो विधान, एक देश व दो तरह के कानून, एक देश व दो तरह के झंडे के पक्षधर नहीं थे। इसके खिलाफ उन्होंने संसद में भी आवाज उठाई। जेल में उनकी रहस्यमयी परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाकर उनके सपने का साकार किया है। उन्होंने कहा कि समाज में भाईचारे को बरकरार रखते हुए हर व्यक्ति को समाज व राष्ट्रहित में भी योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि घरौंडा के विकास के लिए पिछले दस सालों में विकास के अनेक कार्य कराए गए हैं। लंबित कार्यों को भी तेजी से पूरा कराने के प्रयास है। क्षेत्र की तरक्की का फायदा हर वर्ग को मिलता है। इलाके की प्रगति के लिए मिलजुल कर सहयोग करने और भाईचारा बनाए रखने की जरूरत है। इस मौके पर लोगों ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का भी संकल्प लिया। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने इस अवसर पर पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम में आरंभ में तीन बार गायत्री मंत्र का जाप किया गया। मंडल अध्यक्ष रोहित भंडारी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में घरौंडा नगर पालिका चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता, पूर्व चेयरमैन अशोक मित्तल, मंडल अध्यक्ष रोहित, शक्ति केंद्र प्रमुख पुरुषोत्तम, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुभाष कश्यप, ब्रह्म प्रकाश रावल आदि मौजूद रहे।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने गांव कोहंड में ही भगवान महावीर जैन ट्रस्ट की ओर से जैन स्थानक के लिए आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने जैन समाज के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि स्थानक बनने से यहां जैन संत प्रवास कर सकेंगे और लोगों को उनका मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष का शाल ओढ़ाकर व पटका पहनाकर स्वागत किया गया। ट्रस्ट की ओर से जैन स्थानक का निर्माण 120 वर्ग गज में कराया जाएगा। यह स्थान घरौंडा से 6 और पानीपत अंसल के स्थानक से 7 किमी दूर है। इस मौके पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने श्री रोहित मुनि व श्रेयांश मुनि से आशीर्वाद लिया। इस मौके पर प्रधान राजेंद्र जैन, महासचिव मुकेश जैन, महेंद्र जैन, रामफल जैन, विजय जैन, मुकेश जैन, मदन, जयभगवान जैन आदि मौजूद रहे।

# आमजन की शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करें अधिकारीः डीसी प्रीति

**एसबी संवाददाता**

**कैथल।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार एवं डीसी प्रीति के मार्गदर्शन में सोमवार को लघु सचिवालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनी गई। जिन मामलों में तत्काल समाधान संभव नहीं था, उन्हें विभागीय अधिकारियों को सौंपकर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

डीसी प्रीति ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत का समाधान प्राथमिकता और समयबद्धता के साथ किया जाए। आमजन की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान करना ही समाधान शिविर का मुख्य उद्देश्य है। जन सेवा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समाधान शिविर आमजन और प्रशासन के बीच सीधे संवाद का प्रभावी माध्यम है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा मिलता है। इसलिए सभी विभाग



उपायुक्त कैथल प्रीति।

शिकायतों की निरंतर मॉनिटरिंग करें और उनका गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन हर सोमवार और वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक लघु सचिवालय में जनता की समस्याएं सुनकर त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रहा है।

## आवश्यक सूचना

**तेजी** से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, '**संजना भारती**' को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

**संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली**

**वाटसेप नम्बर: 9871221635**


# भारी वाहन कच्ची सड़क में धंसे-चालक, दुकानदार, नागरिक परेशान

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार**

**राजौंद।** राजौंद में सिवरेज ठेकेदार ने साइट पर सूचनात्मक साइन बोर्ड नहीं लगाए हैं जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भारी वाहन जिन दुकानों के आगे धंस कर घंटो जोर अजमाइश करते खड़े रहते हैं उन दुकानदारों व वहां से गुजरने वाले नागरिकों के लिए भी परेशानी का कारण बन रहे हैं।

मेन बाजार मार्केट यूनियन प्रधान भीम सिंह राणा व महाराणा प्रताप चौक दुकानदार यूनियन सन्नी शर्मा ने सरकार व प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि ठेकेदार को सीवरेज खुदाई वाली साइट पर सूचनात्मक बोर्ड लगाएं जाएं ताकि वाहन चालको, नागरिकों, दुकानदारों को परेशानी का सामना न करना पड़े। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व ठेकेदार से निवेदन किया गया है कि जिस मार्ग, सड़क या साइट पर काम चल रहा है, खुदाई कार्य से गहरे गड्ढे हैं या गड्ढों को मिट्टी कच्ची से भरा गया है वहां पर सूचनात्मक बोर्ड लगाएं। जैसेः यह मार्ग भारी वाहनों के लिए बंद है। आगे मार्ग बंद है। सिवरेज कार्य प्रगति पर है, सावधानी पूर्वक चले। यह मार्ग बंद है, कृपा इस मार्ग का प्रयोग करें (ऐरो मार्क), कृपा धीरे चले।

इस साइट, मार्ग पर आपातकालीन स्थिति में सहयोग के लिए जगह -जगह मोबाइल नंबर अंकित करने चाहिए।

जैसे पुलिस सहायता नम्बर, मैडिकल सहायता नम्बर, जेसीबी सहायता नम्बर, ठेकेदार का मोबाइल नम्बर, जेई, एसडीओ का मोबाइल नंबर आदि। बीती रात राजौंद के मेन बाजार टी-प्वाइंट पर लोडिड ट्रक सिवरेज पाइपलाइन दबाने के बाद भरी गई कच्ची मिट्टी में धंस गया।

पूरी रात ट्रक धंसा सड़क पर खड़ा रहा। रात को उसे कोई सहायता नहीं मिली। सूबह के समय दो जेसीबी मशीनों की सहायता से उस लोडिड ट्रक को निकाला गया। गनीमत रही कि ट्रक पलटने से बच गया। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व ठेकेदार से जन हित व सार्वजनिक हित में सहयोग की अपील की गई है।

ठेकेदार की लापरवाही के बारे में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जेई हरि सिंह से फोन पर बात की गई तो उन्होंने कहा कि ठेकेदार से बात कर साइन बोर्ड लगवाएं जाएंगे।

# आईएएस सोनू भट्ट ने संभाला करनाल एडीसी का कार्यभार

## ■ सरकारी योजनाओं का लाभ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकताः एडीसी सोनू भट्ट

**एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी**

**करनाल।** करनाल के नव नियुक्त अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) आईएएस सोनू भट्ट ने सोमवार को विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया।

पदभार संभालने के तुरंत बाद उन्होंने एडीसी कार्यालय के समस्त अधिकारियों एवं स्टाफ सदस्यों के साथ बैठक की और सभी को कार्य के प्रति सजग व जिम्मेदारीपूर्ण रवैया अपनाने के निर्देश दिए। एडीसी भट्ट ने कहा कि प्रदेश सरकार की योजनाएं तभी सफल मानी जाएंगी जब उनका लाभ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। इसके लिए अधिकारियों को पूरी निष्ठा और पारदर्शिता से कार्य करना होगा।

उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का त्वरित समाधान और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन उनकी प्राथमिकता में शामिल रहेगा। गौरतलब है कि सोनू भट्ट 2021 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने इससे पहले एसडीएम नारनौंद, एसडीएम सोहना और एडीसी कुरुक्षेत्र के रूप में सफलतापूर्वक सेवाएं दी हैं।

हरियाणा सरकार द्वारा 12 जून, 2025 को उन्हें करनाल स्थानांतरित किया गया था, जिसके बाद अब उन्होंने आधिकारिक रूप से एडीसी करनाल का पदभार ग्रहण कर लिया है।